ल्यूकोरोहोआ के लिए आयुर्वेदिक दवा फंगल इन्फेक्शन के लिए हर्बल फ़ॉर्मूला, हार्मोनल डिस्टर्बेंस, मेंस्ट्रुअल साइकिल और ल्यूकोरोरिया से संबंधित समस्याओं के लिए. इसमें 60 कैप्सूल हैं.

डायबिटीज एक स्वास्थ्य स्थिति है, जिसने दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इतना ही नहीं डायबिटीज अगर बढ़ जाए, जो यह अन्य बीमारियों का कारण भी बन सकती है।

थायरॉइड से सम्बन्धित बीमारी अस्वस्थ खान-पान और तनावपूर्ण जीवन जीने के कारण होती है। आयुर्वेद के अनुसार, वात, पित्त व कफ के कारण थायरॉइड संबंधित रोग होता है। जब शरीर में वात एवं कफ दोष हो जाता है तब व्यक्ति को थायरॉइड होता है। आप थायराइड का इलाज करने के लिये आयुर्वेदिक तरीकों को आजमा सकते हैं। आयुर्वेदीय उपचार द्वारा वात और कफ दोषों को सन्तुलित किया जाता है।

पुरुषों में ताकत एनर्जी और स्टेमिना बढ़ाने के लिए यहां पर हम कुछ कैप्सूल लेकर आए हैं। इन्हें बनाने के लिए नेचुरल इनग्रेडिएंट का इस्तेमाल किया गया है जिनसे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट का खतरा न के बराबर होता है। इनमें आपको मूसली, अश्वगंधा और शिलाजीत जैसे कई नेचुरल एक्सट्रैक्ट्स मिल रहे हैं।

सफेद मूसली को शक्तिवर्द्धक जड़ी बूटी माना जाता है, इसलिए आयुर्वेद में औषधि के रूप में इसका बहुत इस्तेमाल किया जाता है। सैफेद मूसली की जड़ और बीज, विशेष रूप से औषधि के रूप में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसकी जड़ों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम आदि अत्यधि

मात्रा में पाए जाते हैं।

अलसी का तेल फ्लैक्ससीड ऑयल के नाम से जाना जाता है. अलसी के तेल में औषधीय गुण पाए जाते हैं. अलसी में लिगनेंस एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कैंसर, डायबिटीज और हार्ट प्रॉब्लम के रिस्क को कम करने में मदद करते हैं. इतना ही नहीं अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और विटामिन बी जैसे गुण पाए जाते हैं.

भारत में [70 से 90 फीसदी लोगों के शरीर में](#) Calcium and D3 की कमी है. यह आंकड़ा निश्चित तौर पर चौंकाने वाला है. लेकिन समझदार वही है जो समस्या की न सिर्फ पहचान करे बल्कि उससे निपटने और उसे सुलझा लेने की दिशा में काम करना शुरू कर दे..

Sea Buckthorn शरीर की कोशिकाओं की संरचनाओं का विकास करता है। Sea Buckthorn में मौजूद Phosphatidylserine (PS) शरीर के ऊतकों को टूटने से बचाता है। यह मानसिक तनाव को यह दूर करता है। कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों को यह ठीक करने में सहायक है।

अपने दैनिक आहार को पूरक करने के लिए सॉफ्टगेल कैप्सूल में 30 से अधिक मल्टीविटामिन और खनिजों का मिश्रण। एंटीऑक्सिडेंट सुरक्षा, प्रतिरक्षा समर्थन, एकाग्रता और स्मृति शक्ति में मदद करता है। नियमित आहार के साथ आपकी पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए उपयुक्त.

Shilajit कई आवश्यक खनिजों के साथ फुलविक और humic एसिड की उच्च एकाग्रता युक्त टैर-जैसे पदार्थ है। प्राकृतिक टॉनिक- इसे एक प्राकृतिक समर्थन कहा जाता है जो समग्र शरीर के कामकाज को बढ़ावा देता है और अनुकूलित करता है, सबसे अच्छा एंटी-ऑक्सीडेंट इस प्रकार एंटी-एजिंग एजेंट के रूप में भी काम करने में मदद करता है। कमजोरी को कम करता है और वर्कआउट रिकवरी के बाद भी अच्छी तरह से मदद करता है, आपको सक्रिय रखकर शारीरिक प्रदर्शन को बढ़ाता है और पूरे दिन सतर्क रहता है

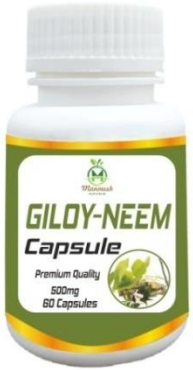

आयुर्वेदिक दुनिया में लोकप्रिय जड़ी बूटी जो प्रतिरक्षा बढ़ाने में मदद करने के लिए जाना जाता है और शरीर की रक्षा तंत्र को बढ़ाने में मदद कर सकता है. संतुलन पिटा में मदद करता है: Giloy हाथ और पैर, एलर्जी, त्वचा की सूजन और अम्लता की जलन की तरह पित्त असंतुलन को आसान बनाने के लिए फायदेमंद है। गिलोय घान बाती का उद्देश्य शरीर के 3 दोषों का संतुलन लाना है।

इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है, यकृत, फेफड़ों और गले को सूखने में मदद करता है। शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है और शरीर में आवश्यक विटामिन, मिनरल और पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है. पुनर्वास अवधि के बाद या उसके दौरान कई जटिलताओं में मदद करता है,....

जड़ी बूटियों का एक अविश्वसनीय मिश्रण: अश्वगंधा, करक्यूमिन और बोसवेलिया के सर्वोत्तम उपलब्ध अर्क के इस संयोजन में जड़ी बूटियों, दर्द ke प्रभाव से देखभाल की जाती है। यह सब कुछ है जो आपको ताकत और गतिशीलता को ठीक करने के लिए अपनी खोज पर शुरू करने की आवश्यकता है क्योंकि ये जड़ी-बूटियां आपकी हड्डियों को मजबूत करने और मांसपेशियों को बढ़ाने में मदद करती हैं। कटिस्नायुशूल न्यूरलागिया

इस उत्पाद को 100% प्राकृतिक है और कोई साइड इफेक्ट नहीं है। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के साथ प्रदूषण से लड़ने में मददगार है; इलेक्ट्रो प्रदूषण की तरह माइग्रेन, एलर्जी,सूजन, विषाक्त पदार्थों को समाप्त करता है, जीवाणु पर हमले के खिलाफ विशेष रूप से प्रभावी; वायरस, व्यवहार फंगल संक्रमण & हवा या पानी में प्रदूषण से हानिकारक प्रभावों लड़ाइयां, खांसी, जुकाम, फ्लू, बुखार & एलर्जी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर आहार & बहुत अच्छा स्रोत है;

84,आवश्यक,मिनरल सिस्टमिक pH को संतुलित करके बॉडी को डीटॉक्सिफ़ाई करता है.ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में मदद करता है,यह आयनिक सॉल्यूशन में अनरिफाइंड, मिनरल से भरपूर नमक प्रदान करता है.मिनरल और हाइड्रेशन में सुधार करके मांसपेशियों में ऐंठन को कम करता हैहार्मोन को संतुलित करके और ऊर्जा में सुधार करके वजन घटाने का समर्थन करता है.

यूरिक एसिड फ़ॉर्मूला पुरुषों और महिलाओं के लिए शक्तिशाली जड़ी बूटी, सभी प्राकृतिक यूरिक एसिड क्लींज़र, किडनी और जॉइंट सपोर्ट चेरी, मिल्क थिसल, सेलेरी ARTHOPEDIC, गठिया और संयुक्त कल्याण में दर्द से राहत एक अद्वितीय आयुर्वेदिक टैबलेट संयुक्त स्वास्थ्य के लिए तैयार -

तुलसी ड्रॉप्स विभिन्न प्रकार की बीमारियों में सहायता प्रदान करता है। **यह हमारी इम्युनिटी को बढ़ाता है जिससे बलगम, गीली खांसी, सूखी खांसी हृदय व पाचन क्रिया, को सुधारता है। साथ ही त्वचा, आंखों, जोड़ों और लिवर के लिए अत्यंत लाभप्रद है।**

इलायची बूंदें शुद्ध इलायची नैनो निकालने से बनाई जाती हैं जो 100% प्राकृतिक है।इस उत्पाद का उपयोग पानी, चाय या दूध के साथ किया जा सकता है। इलायची हर्बल बूंदों के फायदों में से एक यह है कि यह शरीर के सामान्य चयापचय को बढ़ा देता है। यह भोजन के पाचन में भी सहायता करता है।यह उदात्त कीटाणुनाशक के रूप में सांस को नियंत्रित करना

स्टेम सेल में कई लाइलाज बीमारियों जैसे मांसपेशियोंया और हृदय संबंधी रोगों से जुड़ी विकृति, ल्यूकेमिको ठीक करने की क्षमता है। मस्तिष्क पक्षाघात, मस्तिष्क रक्तस्नव व स्ट्रोक, रीढ़ की हड्डी में चोट, अंगों में पक्षाघात, ऑटिज्म, पार्किंसन बीमारी, मोटर न्यूरोन बीमारी, मांसपेशियों में विकृति, लीवर की बीमारी, किडनी की बीमारी, ऑप्टिक न्यूरीटिस, मल्टीपल स्कलेरोसिस, मस्तिष्क संबंधी रोग और फ्रिडिरिक रोगों का इलाज स्टेम सेल से किया जा सकता है।

नोनी जूस हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है. नोनी जूस में एंटी कैंसर और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो स्तन कैंसर के लक्षणों को कम करने में भी मदद करता है. एंटी वायरल गुणों से भरपूर होने के कारण नोनी के जूस का सेवन करने से सर्दी, खांसी, बुखार और शरीर का दर्द दूर हो जाता है.

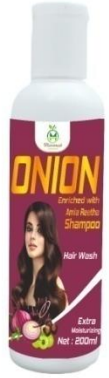

Onion Amla, Reetha, बालों को मजबूत, काला और घना बनाए रखने के लिए वर्षों से इन तीन जड़ी बूटियों ONION, आंवला और रीठा का इस्तेमाल किया जाता रहा है।
बालों का झड़ना के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है।
इसके अलावा Onion ,Amla Reetha Shampoo का उपयोग दूसरी समस्याओं के लिए भी किया जा सकता है।

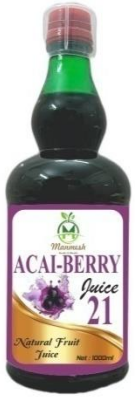

ACAI BERRY एक तरह की गोल बेरी है जो ताड के पेड़ से प्राप्त की जाती है। यह अधिकतर मध्य और दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है। असाई को कई नामो से भी जाना जाता है जैसे कैबेज पाम, असाई पाम आदि। ACAI दिखने में अंगूर की तरह होती है और इसका रंग बैंगनी व स्वाद में चॉकलेट की तरह मीठी लगती है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए ANTI SUGAR एक राम बाण इलाज है. करेले को अलग अलग तरीके से शुगर के मरीजों को दिया जाता है.ANTI SUGAR पाए जाने वाले विभिन्न विटामिन जैसे विटामिन A, B, C, B ग्रुप के तत्व होते हैं थायमिन & राइबोफ्लेवि, डायबिटीज को कंट्रोल रखने में के मरीज ANTI SUGAR का जूस दिया जाए तो ये उनबेहद मददगार होते हैं. ऐसे में अगर शुगर के लिए काफी लाभदायक होता है.

पुनर्वित्त क्षतिग्रस्त बाल: 18 जड़ी बूटी बालों का तेल ब्रह्मी, भृंगराज, जापापुस्पा, करिपट्टा और कई भारतीय जड़ी बूटियों का प्रीमियम जलसेक है। चिकित्सीय गुण खोपड़ी को शांत करते हैं और स्वस्थ बालों के लिए जड़ों को उत्तेजित करते हैं। यह बालों की सूखापन, क्षति और सुस्तता को कम करने के लिए बालों के तारों को पोषण देता है।

मोटापा (Obesity) आज की सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। खाने-पीने की गलत आदतें और सुस्त जीवनशैली वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण हैं। वजन बढ़ने से न केवल किसी की सुंदरता कम होती है बल्कि कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी होता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अधिक मोटापा डायबिटीज, कैंसर, दिल के रोग जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

ल्यूकोरिया को सफेद पानी या श्वेत प्रदर या फिर वाइट डिस्चार्ज (White Discharge) भी कहते हैं. यह फीमेल में होने वाली एक आम बीमारी है. इसमें वेजाइना से सफेद रंग का गाढ़ा और दुर्गंधयुक्त पानी निकलता है. इंफेक्शन बढ़ने पर स्राव पीले, हल्के नीले या हल्के लाल रंग का, बहुत चिपचिपा एवं बदबूदार होता है. ये किसी बड़ी बिमारी से संबंधित रोग का लक्षण भी हो सकता है.

यह फेश वाश एंजाइम, पॉलीसेकेराइड और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है।महिला और पुरुष दोनों के लिए उपयोगी है।चेहरे से अतिरिक्त तेल को हटाने का काम कर सकता है।
इसे दो बार इस्तेमाल किया जा सकता है।त्वचा की गंदगी को साफ कर सकता है।यह सर्दियों के लिए अच्छा उत्पाद साबित हो सकता है।
इसकी कीमत कम होती है।

स्टेम सेल में कई लाइलाज बीमारियों जैसे मांसपेशियोंया और हृदय संबंधी रोगों से जुड़ी विकृति, ल्यूकेमिको ठीक करने की क्षमता है।

मस्तिष्क पक्षाघात, मस्तिष्क रक्तस्नव व स्ट्रोक, रीढ़ की हड्डी में चोट,अंगों मेंपक्षाघात, ऑटिज्म, पार्किसन बीमारी, मोटर न्यूरोन बीमारी, मांसपेशियों में विकृति, लीवर की बीमारी, किडनी की बीमारी,ऑप्टिक न्यूरीटिस, मल्टीपल स्कलेरोसिस, मस्तिष्क संबंधी रोग और फ्रिडिरिक रोगों का इलाज स्टेम सेल से किया जा सकता है।

इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है, यकृत, फेफड़ों और गले को सूखने में मदद करता है।
शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है और शरीर में आवश्यक विटामिन, मिनरल और पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है. पुनर्वास अवधि के बाद उसके दौरान कई जटिलताओं में मदद करता है,...कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों को यह ठीक करने में सहायक है।

84,आवश्यक,मिनरल सिस्टमिक pH को संतुलित करके बॉडी को डीटॉक्सिफ़ाई करता है.ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में मदद करता है,यह आयनिक सॉल्यूशन में अनरिफाइंड, मिनरल से भरपूर नमक प्रदान करता है.मिनरल & हाइड्रेशन में सुधार करके मांसपेशियों में ऐंठन को कम करता हैहार्मोन को संतुलित करके और ऊर्जा में सुधार करके वजन घटाने का समर्थन करता है.

इस उत्पाद को 100% प्राकृतिक है और कोई साइड इफेक्ट नहीं है। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के साथ प्रदूषण से लड़ने में मददगार है; इलेक्ट्रो प्रदूषण की तरह माइग्रेन, एलर्जी,सूजन, विषाक्त पदार्थों को समाप्त करता है, जीवाणु पर हमले के खिलाफ विशेष रूप से प्रभावी; वायरस, व्यवहार फंगल संक्रमण & हवा या पानी में प्रदूषण से हानिकारक प्रभावों लड़ाइयां, खांसी, जुकाम, फ्लू, बुखार & एलर्जी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर आहार & बहुत अच्छा स्रोत है;

तुलसी ड्रॉप्स विभिन्न प्रकार की बीमारियों में सहायता प्रदान करता है। यह हमारी इम्युनिटी को बढ़ाता है जिससे बलगम, गीली खांसी, सूखी खांसी हृदय व पाचन क्रिया, को सुधारता है। साथ ही त्वचा, आंखों, जोड़ों और लिवर के लिए अत्यंत लाभप्रद है।

इलायची बूंदें शुद्ध इलायची नैनो निकालने से बनाई जाती हैं जो 100% प्राकृतिक है।इस उत्पाद का उपयोग पानी, चाय या दूध के साथ किया जा सकता है। इलायची हर्बल बूंदों के फायदों में से एक यह है कि यह शरीर के सामान्य चयापचय को बढ़ा देता है। यह भोजन के पाचन में भी सहायता करता है।यह उदात्त कीटाणुनाशक के रूप में सांस को नियंत्रित करना है।

Shilajit कई आवश्यक खनिजों के साथ फुलविक और humic एसिड की उच्च एकाग्रता युक्त टैर-जैसे पदार्थ है। प्राकृतिक टॉनिक- इसे एक प्राकृतिक समर्थन कहा जाता है जो समग्र शरीर के कामकाज को बढ़ावा देता है: अनुकूलित करता है, सबसे अच्छा एंटी-ऑक्सीडेंट इस प्रकार एंटी-एजिंग एजेंट के रूप में भी काम करने में मदद करता है। कमजोरी को कम करता है: वर्कआउट रिकवरी के बाद अच्छी तरह से मदद करता है :

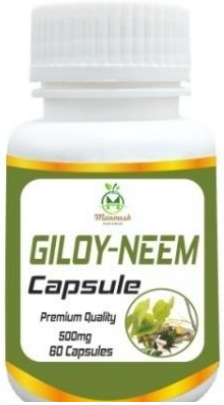

आयुर्वेदिक दुनिया में लोकप्रिय जड़ी बूटी जो प्रतिरक्षा बढ़ाने में मदद करने के लिए जाना जाता है और शरीर की रक्षा तंत्र को बढ़ाने में मदद कर सकता है.
संतुलन पिटा में मदद करता है: Giloy हाथ और पैर, एलर्जी, त्वचा की सूजन और अम्लता की जलन की तरह पित्त असंतुलन को आसान बनाने के लिए फायदेमंद है। गिलोय घान बाती का उद्देश्य शरीर के 3 दोषों का संतुलन लाना है।

जड़ी बूटियों का एक अविश्वसनीय मिश्रण: अश्वगंधा, करक्यूमिन और बोसवेलिया के सर्वोत्तम उपलब्ध अर्क के इस संयोजन में जड़ी बूटियों, दर्द प्रभाव से देखभाल की जाती है। यह सब कुछ है जो आपको ताकत & गतिशीलता को ठीक करने के लिए आवश्यकता है: जड़ी-बूटियां आपकी हड्डियों को मजबूत करने और मांसपेशियों को बढ़ाने में मदद करती हैं।

अलसी का तेल फ्लैक्ससीड ऑयल के नाम से जाना जाता है. अलसी के तेल में औषधीय गुण पाए जाते हैं. अलसी में लिगनेंस एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कैंसर, डायबिटीज और हार्ट प्रॉब्लम के रिस्क को कम करने में मदद करते हैं. इतना ही नहीं अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और विटामिन बी जैसे गुण पाए जाते हैं.

यूरिक एसिड फ़ॉर्मूला पुरुषों & महिलाओं के लिए शक्तिशाली जड़ी बूटी, सभी प्राकृतिक यूरिक एसिड क्लीज़र, किडनी और जॉइंट सपोर्ट चेरी, मिल्क थिसल :..

ARTHOPEDIC, गठिया और संयुक्त कल्याण में दर्द से राहत एक अद्वितीय आयुर्वेदिक टैबलेट संयुक्त स्वास्थ्य के लिए तैयार

अपने दैनिक आहार को पूरक करने के लिए सॉफ्टगेल कैप्सूल में 30 से अधिक मल्टीविटामिन और खनिजों का मिश्रण। एंटीऑक्सिडेंट सुरक्षा, प्रतिरक्षा समर्थन, एकाग्रता और स्मृति शक्ति में मदद करता है। नियमित आहार के साथ आपकी पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए उपयुक्त.

ल्यूकोरोहोआ के लिए आयुर्वेदिक दवा फंगल इन्फेक्शन के लिए हर्बल फ़ॉर्मूला, हार्मोनल डिस्टर्लेंस, मेंस्ट्रुअल साइकिल और ल्यूकोरोरिया से संबंधित समस्याओं के लिए. इसमें 60 कैप्सूल हैं.

डायबिटीज एक स्वास्थ्य स्थिति है, जिसने दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इतना ही नहीं डायबिटीज अगर बढ़ जाए, जो यह अन्य बीमारियों का कारण भी बन सकती है।

ANTI DIABA पाए जाने वाले विभिन्न विटामिन जैसे विटामिन A, B, C, B ग्रुप के तत्व होते हैं थायमिन & राइबोफ्लेवि, डायबिटीज को कंट्रोल रखने में बेहद मददगार होते हैं.

पुरुषों में ताकत एनर्जी और स्टेमिना बढ़ाने के लिए यहां पर हम कुछ कैप्सूल लेकर आए हैं। इन्हें बनाने के लिए नेचुरल इनग्रेडिएंट का इस्तेमाल किया गया है जिनसे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट का खतरा न के बराबर होता है। इनमें आपको मूसली, अश्वगंधा और शिलाजीत जैसे कई नेचुरल एक्सट्रैक्ट्स मिल रहे हैं।

Sea Buckthorn शरीर की कोशिकाओं की संरचनाओं का विकास करता है। Sea Buckthorn में मौजूद Phosphatidylserine (PS) शरीर के ऊतकों को टूटने से बचाता है। यह मानसिक तनाव को यह दूर करता है। कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों को यह ठीक करने में सहायक है।

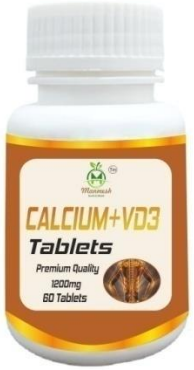

भारत में [70 से 90 फीसदी लोगों के शरीर में](#) Calcium & D3 की कमी है. यह आंकड़ा निश्चित तौर पर चौंकाने वाला है. लेकिन समझदार वही है जो समस्या की न सिर्फ पहचान करे बल्कि उससे निपटने और उसे सुलझा लेने की दिशा में काम करना शुरू कर दे..

थायरॉइड से सम्बन्धित बीमारी अस्वस्थ खान-पान और तनावपूर्ण जीवन जीने के कारण होती है। आयुर्वेद के अनुसार, वात, पित्त व कफ के कारण थायरॉइड संबंधित रोग होता है। जब शरीर में वात एवं कफ दोष हो जाता है तब व्यक्ति को थायरॉइड होता है। आप थायराइड का इलाज करने के लिये आयुर्वेदिक तरीकों को आजमा सकते हैं। आयुर्वेदीय उपचार द्वारा वात और कफ दोषों को सन्तुलित किया जाता है।

सफेद मूसली को शक्तिवर्द्धक जड़ी बूटी माना जाता है, इसलिए आयुर्वेद में औषधि के रूप में इसका बहुत इस्तेमाल किया जाता है। सफेद मूसली की जड़ और बीज, विशेष रूप से औषधि के रूप में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसकी जड़ों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम,पोटैशियम, मैग्नीशियम आदि अत्यधि मात्रा में पाए जाते हैं।

मोटापा (Obesity) आज की सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। खाने-पीने की गलत आदतें और सुस्त जीवनशैली वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण हैं।
वजन बढ़ने से न केवल किसी की सुंदरता कम होती है बल्कि कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी होता है।एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अधिक मोटापा डायबिटीज,कैंसर, दिल के रोग जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

स्टेम सेल में कई लाइलाज बीमारियों जैसे मांसपेशियोंया और हृदय संबंधी रोगों से जुड़ी विकृति, ल्यूकेमिको ठीक करने की क्षमता है।
मस्तिष्क पक्षाघात, मस्तिष्क रक्तस्नव व स्ट्रोक, रीढ़ की हड्डी में चोट, अंगों में पक्षाघात, ऑटिज्म, पार्किंसन बीमारी, मोटर न्यूरोन बीमारी, मांसपेशियों में विकृति, लीवर की बीमारी, किडनी की बीमारी, ऑप्टिक न्यूरीटिस, मल्टीपल स्कलेरोसिस, मस्तिष्क संबंधी रोग और फ्रिडिरिक रोगों का इलाज स्टेम सेल से किया जा सकता है।

नोनी जूस हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है. नोनी जूस में एंटी कैंसर और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो स्तन कैंसर के लक्षणों को कम करने में भी मदद करता है.
एंटी वायरल गुणों से भरपूर होने के कारण नोनी के जूस का सेवन करने से सर्दी, खांसी, बुखार और शरीर का दर्द दूर हो जाता है

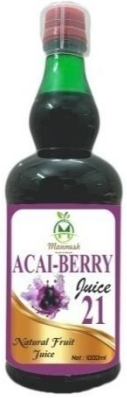

ACAI BERRY एक तरह की गोल बेरी है जो ताड के पेड़ से प्राप्त की जाती है। यह अधिकतर मध्य और दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है। असाई को कई नामो से भी जाना जाता है जैसे कैबेज पाम, असाई पाम आदि। ACAI दिखने में अंगूर की तरह होती है और इसका रंग बैंगनी व स्वाद में चॉकलेट की तरह मीठी लगती है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए **ANTI SUGAR** एक राम बाण इलाज है. करेले को अलग अलग तरीके से शुगर के मरीजों को दिया जाता है.**ANTI SUGAR** पाए जाने वाले विभिन्न विटामिन जैसे विटामिन **A, B, C, B** ग्रुप के तत्व होते हैं थायमिन & राइबोफ्लेवि, डायबिटीज को कंट्रोल रखने में के मरीज **ANTI SUGAR** का जूस दिया जाए तो ये उनबेहद मददगार होते हैं. ऐसे में अगर शुगर के लिए काफी लाभदायक होता है.

ल्यूकोरिया को सफेद पानी या श्वेत प्रदर या फिर वाइट डिस्चार्ज (White Discharge) भी कहते हैं. यह फीमेल में होने वाली एक आम बीमारी है. इसमें वेजाइना से सफेद रंग का गाढ़ा और दुर्गंधयुक्त पानी निकलता है. इंफेक्शन बढ़ने पर स्राव पीले, हल्के नीले या हल्के लाल रंग का, बहुत चिपचिपा एवं बदबूदार होता है. ये किसी बड़ी बिमारी से संबंधित रोग का लक्षण भी हो सकता है.

यह फेश वाश एंजाइम, पॉलीसेकेराइड और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है।महिला और पुरुष दोनों के लिए उपयोगी है।चेहरे से अतिरिक्त तेल को हटाने का काम कर सकता है।
इसे दो बार इस्तेमाल किया जा सकता है।त्वचा की गंदगी को साफ कर सकता है।यह सर्दियों के लिए अच्छा उत्पाद साबित हो सकता है।
इसकी कीमत कम होती है।

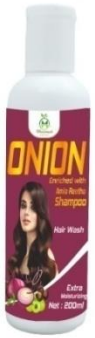

Onion Amla, Reetha, बालों को मजबूत, काला और घना बनाए रखने के लिए वर्षों से इन तीन जड़ी बूटियों ONION, आंवला और रीठा का इस्तेमाल किया जाता रहा है।
बालों का झड़ना के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है। इकासके अलावा Onion ,Amla Reetha Shampoo उपयोग दूसरी समस्याओं के लिए भी किया जा सकता है।

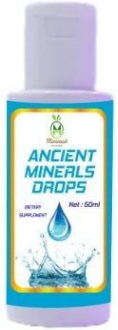

रक्तचाप को संतुलित करने में मदद करता है क्योंकि यह आयनिक समाधान में अपरिष्कृत, खनिज युक्त नमक प्रदान करता है खनिजों और हाइड्रेशन में सुधार करके मांसपेशियों में ऐंठन, हार्मोन को संतुलित करके और ऊर्जा में सुधार करके वजन घटाने का समर्थन करता है ; रक्त शर्करा संतुलन में मदद करता है। हर किसी के लिए हार्मोन संतुलन का समर्थन करता है, खनिज बूँदें एकमात्र खनिज बूंदों का समाधान है यह प्रणालीगत पीएच संतुलन द्वारा शरीर को detoxify करता है

पुनर्वित्त क्षतिग्रस्त बाल: 18 जड़ी बूटी बालों का तेल ब्रह्मी, भृंगराज, जापापुस्पा, करिपट्टा और कई भारतीय जड़ी बूटियों का प्रीमियम जलसेक है। चिकित्सीय गुण खोपड़ी को शांत करते हैं और स्वस्थ बालों के लिए जड़ों को उत्तेजित करते हैं। यह बालों की सूखापन, क्षति और सुस्तता को कम करने के लिए बालों के तारों को पोषण देता है।

ल्यूकोरोहोआ के लिए आयुर्वेदिक दवा
फंगल इन्फेक्शन के लिए हर्बल फ़ॉर्मूला, हार्मोनल डिस्टर्लेंस, मेंस्ट्रुअल साइकिल और ल्यूकोरोरिया से संबंधित समस्याओं के लिए. इसमें 60 कैप्सूल हैं.

पुरुषों में ताकत एनर्जी और स्टेमिना बढ़ाने के लिए यहां पर हम कुछ कैप्सूल लेकर आए हैं। इन्हें बनाने के लिए नेचुरल इनग्रेडिएंट का इस्तेमाल किया गया है जिनसे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट का खतरा न के बराबर होता है। इनमें आपको मूसली, अश्वगंधा और शिलाजीत जैसे कई नेचुरल एक्सट्रैक्ट्स मिल रहे हैं।

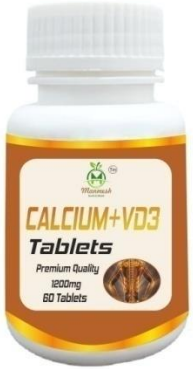

भारत में **70 से 90 फीसदी लोगों के शरीर में** Calcium and D3 की कमी है.
यह आंकड़ा निश्चित तौर पर चौंकाने वाला है. लेकिन समझदार वही है जो समस्या की न सिर्फ पहचान करे बल्कि उससे निपटने और उसे सुलझा लेने की दिशा में काम करना शुरू कर दे..